

पंजाब किंग्स ने सीएसके से यांनसन के ट्रेड ड्रील की संभावनाओं को खारिज किया

चेन्नई

आईपीएल फ्रैंचाइजी पंजाब किंग्स ने कहा है कि वह दक्षिण अफ्रीकी आलराउंडर मार्को यानसन को लेकर चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) या किसी अन्य टीम के साथ किसी प्रकार की ट्रेड डील पर बात नहीं कर रही है। इससे पहले कहा जा रहा था कि पंजाब किंग्स यानसन को ट्रेड डील के जरिये सीएसके को दे सकती है।

वहीं अब पंजाब फ्रेंचाइजी ने स्पष्ट किया है कि फिलहाल उन्हें रिलीज या ट्रेड करने का उनका कोई इरादा नहीं है, जिससे यानसन के भविष्य को लेकर चल रही अटकलों पर विराम लग गया है। यानसन के लिए आईपीएल 2026 का सत्र अच्छा नहीं रहा था। उन्होंने पंजाब किंग्स के लिए 12 मैचों में केवल 9 विकेट लिए, जहां उनका गेंदबाजी औसत 53.66 और इकानमी रेट 10.20 रहा, जो टीम के लिए काफी महंगा साबित हुआ। वहीं बल्लेबाजी में भी वे पांच पारियों में सिर्फ 51 रन ही बना पाए जबकि 2025 की नीलामी में पंजाब ने उन्हें 7 करोड़ रुपये खर्च करके अपनी टीम में शामिल किया था पर आईपीएल में उनका प्रदर्शन उम्मीद के अनुसार नहीं रहा था। ऐसे में माना जा रहा था कि पंजाब उन्हें छोड़ सकती है। वहीं आईपीएल के खराब प्रदर्शन के बावजूद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मार्को यानसन का बेहरीन प्रदर्शन जारी रहा। दक्षिण अफ्रीका के लिए उन्होंने इस साल टी20 अंतरराष्ट्रीय अच्छी गेंदबाजी और बल्लेबाजी की है। माना जा रहा है कि उनकी इसी बेहतरीन फार्म को देखते हुए पंजाब किंग्स उन्हें अपनी टीम में बनाए रखना चाहती है, जिससे वे आगामी सीज़न में अपनी आलराउंड क्षमता का पूरा प्रदर्शन कर सकें और टीम को मजबूती प्रदान कर सकें। वहीं दूसरी ओर सीएसके का प्रदर्शन पिछले सत्र में अच्छा नहीं रहा। इसलिए वह इस बार टीम में बदलाव चाहती है। इसी कारण फ्रेंचाइजी प्रशांत वीर और कार्तिक शर्मा जैसे दो खिलाड़ियों को रिलीज करने पर गंभीरता से विचार कर रही है। इन दोनों खिलाड़ियों को पिछले आक्शन में 14.20-14.20 करोड़ रुपये की बड़ी रकम देकर खरीदा गया था। इस कदम का मुख्य उद्देश्य नीलामी के लिए अपने पर्स को बढ़ाना है, जिससे टीम के पास बड़े खिलाड़ियों पर दांव लगाने के लिए अधिक पूंजी उपलब्ध हो सके।अभी सीएसके के पास 2.40 करोड़ रुपये का पर्स बचा हुआ है, जिसमें वार्षिक सैलरी कैप में 5 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी भी शामिल होगी। अगर प्रशांत वीर और कार्तिक शर्मा दोनों को रिलीज किया जाता है, तो टीम के पास अतिरिक्त 28.40 करोड़ रुपये आ जाएंगे। इस तरह, अन्य संभावित बदलावों से पहले चेन्नई सुपर किंग्स के पास कुल लगभग 35.80 करोड़ रुपये का एक मजबूत पर्स हो सकता है। यह बड़ा पर्स सीएसके को नीलामी में अपनी पसंद के बड़े खिलाड़ियों पर दांव लगाने और अपनी टीम को और भी मजबूत बनाने का अवसर प्रदान करेगा।

न्यूज ब्रीफ

घरेलू क्रिकेट से ही होगी हार्दिक की भारतीय टीम में वापसी : शुभमन



आकलैंड। भारतीय टेस्ट और एकदिवसीय कप्तान शुभमन गिल का कहना है कि लंबे समय से टीम से बाहर चल रहे आलराउंडर हार्दिक पंड्या की राष्ट्रीय टीम में वापसी तभी होगी जब वह घरेलू क्रिकेट में अपनी फिटनेस साबित करेंगे। शुभमन के अनुसार हार्दिक को पहले मुश्ताक अली ट्राफी या विजय हजारे ट्राफी में खेलकर अपनी लय हासिल करनी होगी। पंड्या चोटिल होने के कारण पिछले काफी समय से टीम से बाहर हैं। इसी कारण वह न्यूजीलैंड दौर में भी शामिल नहीं किये गये। शुभमन ने माना है कि हार्दिक जैसे आलराउंडर की टीम को जरुरत है पर कहा कि उनकी वापसी में जल्द बाजी कर जोखिम नहीं लिया जा सकता है। उन्होंने कहा कि टीम प्रबंधन विश्व कप के लिए हार्दिक की वापसी का बेसब्री से इंतजार कर रहा है। कप्तान के अनुसार, हार्दिक एक असाधारण आल-राउंडर हैं, उनकी जैसी क्षमता दुनिया के बहुत कम खिलाड़ियों के पास है। उन्होंने हार्दिक की गेंदबाजी कौशल की भी सराहना की, यह बताते हुए कि उन्हें एक गेंदबाज के तौर पर खेल के अलग-अलग हिस्सों में, चाहे वह नई गेंद हो या पुरानी, इस्तेमाल किया जा सकता है।साथ ही कहा कि उनकी हार्दिक से कई बार बात हुई है और वह अपनी चोटों को लेकर बदकिस्मत रहे हैं। गिल ने कहा, हार्दिक आईपीएल के बाद से ही नहीं खेले हैं। उम्मीद है, वह जल्द ही वापस आएंगे। वह कुछ घरेलू क्रिकेट खेलेंगे।

टीम में जगह नहीं मिलने से निराश हैं सरफराज

नई दिल्ली। घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छे प्रदर्शन के बाद भी राष्ट्रीय टीम में जगह नहीं मिलने से



बल्लेबाज सरफराज खान निराश हैं। सरफराज का कहना है उन्हें लगातार मेहनत के बाद भी उसका फल नहीं मिल रहा। जिससे अब उन्हें लगता है कि वह इतनी मेहनत ही क्यों कर रहे हैं। फरवरी 2024 में भारतीय टेस्ट टीम में पदार्पण के बाद सरफराज ने अपना आखिरी टेस्ट अक्टूबर 2024 में न्यूजीलैंड के खिलाफ मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेला था। उसके बाद उन्हें बाहर कर दिया गया था ओर तभी से वह वापसी की राह देख रहे हैं। सरफराज ने कहा कि अब वह अधिक सोचते नहीं हैं, लेकिन हर सुबह उठकर उनके मन में यही सवाल आता है, आखिर मुझे इतनी मेहनत क्यों करनी चाहिए उन्होंने आगे कहा कि सुबह पांच बजे उठने के साथ वही पुरानी दिनचर्या शुरू हो जाती है। सरफराज ने माना है न्यूजीलैंड के खिलाफ 2024 में पुणे और मुंबई में खेले गए पिछले चार टेस्ट पारियों में उनका प्रदर्शन निराशाजनक रहा था, जहां उन्होंने वह 11, 9, 0 और 1 रन बनाए थे। इसी के बाद उन्हें भारतीय टेस्ट टीम से बाहर कर दिया गया। हालांकि, इस मुश्किल दौर में उनके पिता नौशाद खान ही उनकी सबसे बड़ी प्रेरणा बने हुए हैं। सरफराज ने बताया कि जब कभी निराशा उन्हें घेरती है और मेहनत जारी रखने पर सवाल उठता है, तो पिता से ही उन्हें और बेहतर खेलने की प्रेरणा मिलती है।

अंडर-22 क्रिकेट में राजगढ़ ने विदिशा पर बनाई 34 रन की बढ़त

भोपाल। भोपाल संभागीय क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वावधान में कनारा ग्राउंड पर आयोजित अंडर-22 अंतर-जिला द्वि-दिवसीय क्रिकेट मुकाबले में पहले दिन राजगढ़ ने विदिशा पर 34 रन की बढ़त बना ली। टॉस जीतकर राजगढ़ के कप्तान योगेश यादव ने पहले क्षेत्ररक्षण का निर्णय लिया।

पहले बल्लेबाजी करने उतरी विदिशा की टीम राजगढ़ के कसे हुए गेंदबाजी आक्रमण के सामने संघर्ष करती रही। पूरी टीम 47.1 ओवर में 116 रन बनाकर पवेलियन लौट गई। जय रघुवंशी ने 32 रन की सर्वाधिक पारी खेली, जबकि देव रघुवंशी ने 21 रन बनाए। हितार्थ शाह ने 11 और अतुल कुशवाहा ने नाबाद 11 रन का योगदान दिया।

राजगढ़ की ओर से राजेश सोंधिया और कप्तान योगेश यादव ने शानदार गेंदबाजी करते हुए तीन-तीन विकेट हासिल किए। चंदन झांझोत ने दो तथा मान प्रताप सिंह ने एक विकेट लिया।

जवाब में राजगढ़ की टीम ने दिन का खेल समाप्त होने तक 40 ओवर में पांच विकेट के नुकसान पर 150 रन बना लिए। कप्तान योगेश यादव ने 48 रन और मान प्रताप सिंह ने 43 रन की उपयोगी पारी खेली।

विदिशा की ओर से ईशु अहिरवार ने तीन महत्वपूर्ण विकेट झटके। अमन नरवरिया और हर्षित यादव को एक-एक सफलता मिली। राजगढ़ ने पहली पारी के आधार पर 34 रन की बढ़त हासिल कर मुकाबले में अपनी स्थिति मजबूत कर ली है।

एशियन पैरा गेम्स में उपलब्धियों की बरसात : 1538 पदक जीते गए, 27 विश्व रिकार्ड टूटे

नई दिल्ली

जापान के आइची-नागोया में आयोजित 2026 एशियन पैरा गेम्स का समापन कई ऐतिहासिक उपलब्धियों के साथ हुआ। छह दिनों तक चले इस खेल महाकुंभ में कुल 1538 पदक प्रदान किए गए, जबकि खिलाड़ियों ने 27 विश्व रिकार्ड ध्वस्त कर दिए। इसके अलावा प्रतियोगिता के दौरान 81 एशियाई रिकार्ड और 306 एशियन पैरा गेम्स रिकार्ड भी बनाए गए। एशियन पैरा गेम्स के पांचवें संस्करण में 45 देशों की राष्ट्रीय पैरालंपिक समितियों ने हिस्सा लिया। इनमें से 33 देशों ने कम से कम एक पदक अपने नाम किया, जबकि 22 देशों के खिलाड़ियों ने स्वर्ण पदक जीतने में सफलता हासिल की। पदकों के मामले में इस बार पिछले संस्करण के मुकाबले बेहतर प्रदर्शन देखने को मिला।



चीन का दबदबा बरकरार, जापान ने रचा इतिहास

पदक तालिका में चीन ने अपना दबदबा कायम रखते हुए पहला स्थान हासिल किया। चीन ने कुल 435 पदक जीते, जिनमें 207 स्वर्ण, 117 रजत और 111 कांस्य पदक शामिल रहे। मेजबान जापान ने अपने इतिहास का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। जापानी खिलाड़ियों ने 64 स्वर्ण पदकों के साथ पदक तालिका में दूसरा स्थान हासिल किया। इससे पहले जापान का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2018 में इंडोनेशिया में आयोजित एशियन पैरा गेम्स में रहा था, जहां उसने 45 स्वर्ण पदक जीते थे। उज्बेकिस्तान तीसरे स्थान पर रहा, जबकि भारत ने चौथा और दक्षिण कोरिया ने पांचवां स्थान हासिल किया।

27 विश्व रिकार्ड और 306 गेम्स रिकार्ड बने

प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने रिकार्ड प्रदर्शन करते हुए 27 विश्व रिकार्ड तोड़े। यह संख्या पिछले संस्करण की तुलना में सात अधिक रही। विश्व रिकार्ड बनाने में पैरा एथलेटिक्स के खिलाड़ियों का सबसे बड़ा योगदान रहा, जिन्होंने 11 नए विश्व रिकार्ड अपने नाम किए। इसके अलावा 81 एशियाई रिकार्ड भी बनाए गए, जबकि 306 नए एशियन पैरा गेम्स रिकार्ड दर्ज हुए। ये दोनों आंकड़े 2022 में हांगझोउ में आयोजित पिछले संस्करण के रिकार्ड से अधिक रहे। हांगझोउ में 71 एशियाई रिकार्ड और 279 गेम्स रिकार्ड बने थे।

ताजिकिस्तान और कंबोडिया ने पहली बार जीते पदक

इस बार प्रतियोगिता में कुछ देशों के लिए ऐतिहासिक उपलब्धियां भी देखने को मिलीं। ताजिकिस्तान ने पैरा जूडो में अपना पहला एशियन पैरा गेम्स पदक जीता, जबकि कंबोडिया ने पैरा एथलेटिक्स में पहली बार पदक हासिल कर इतिहास रच दिया।

पदकों से आगे है एशियन पैरा गेम्स की असली विरासत : माजिद राशिद

समापन समारोह को संबोधित करते हुए एशियन पैरालंपिक कमेटी के अध्यक्ष माजिद राशिद ने कहा कि इन खेलों की असली सफलता केवल पदकों और रिकार्ड तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका महत्व आने वाली पीढ़ियों के लिए बेहतर अवसर तैयार करने में है। उन्होंने कहा, रिकार्ड कायम रहेंगे, पदक संजोकर रखे जाएंगे और यादें हमेशा बनी रहेंगी। लेकिन आइची-नागोया 2026 की असली विरासत इस बात से तय होगी कि हम आगे क्या करते हैं। अधिक खिलाड़ियों को अपनी क्षमता पहचानने का अवसर मिले, अधिक देश अपनी प्रतिभाओं को विकसित करें और दिव्यांगजनों को खेल और समाज में उनका उचित स्थान मिले।

खेलों ने दिया एकता और बदलाव का संदेश एपीसी अध्यक्ष ने खेलों की एकजुट करने वाली ताकत पर जोर देते हुए कहा कि नागोया से सभी देश खेल के जरिए लोगों को जोड़ने और जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के विश्वास के साथ विदा हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि खेलों का आयोजन भले ही समाप्त हो गया हो, लेकिन इससे प्रेरित हुए सपनों और उम्मीदों का सिलसिला जारी रहना चाहिए।

कैसा रहा भारतीय दल का प्रदर्शन

भारत ने एशियन पैरा गेम्स 2026 में अपना अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए इतिहास रच दिया। जापान के आइची-नागोया में आयोजित इन खेलों में भारतीय खिलाड़ियों ने 30 स्वर्ण, 35 रजत और 49 कांस्य सहित कुल 114 पदक अपने नाम किए। इसके साथ ही भारत ने 2023 में चीन के हांग्झू में बनाए गए अपने पिछले रिकार्ड को पीछे छोड़ दिया। हांग्झू में भारत ने 27 स्वर्ण सहित कुल 108 पदक जीते थे।

पदक तालिका में किस स्थान पर भारत

भारत फिलहाल पदक तालिका में चौथे स्थान पर है, लेकिन कुछ स्पर्धाओं के फाइनल होने के कारण उसकी स्थिति बदल सकती है। भारत का उन स्पर्धाओं में कोई खिलाड़ी हिस्सा नहीं ले रहा है। अभियान के आखिरी दिन भारत ने नौ स्वर्ण पदक जीते जो इस चरण में उसका एक दिन का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। ये स्वर्ण पदक तीरंदाजी, निशानेबाजी, बैडमिंटन और एथलेटिक्स में मिले। एथलेटिक्स ने हमेशा की तरह भारत के लिए पदक संख्या में इजाफा किया।

बाबर अपनी बल्लेबाजी लय हासिल करने विदेशी कोच की सेवाएं लें : मोहम्मद यूसुफ



लाहौर

पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान मोहम्मद यूसुफ ने अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम को सलाह दी है कि वह घरेलू नहीं बल्कि विदेशी कोच की सेवाएं लें। यूसुफ ने साथ ही कहा कि उन्हें फिलहाल घरेलू क्रिकेट खेलने की जगह पर अपनी बल्लेबाजी की तकनीकी खामियों को दूर करने आस्ट्रेलिया या दक्षिण अफ्रीका जाकर विशेषज्ञ कोचों के साथ अभ्यास करना होगा। इसके बाद ही वह अपनी पुरानी लय हासिल कर पायेंगे। यूसुफ ने कहा कि बिना तकनीक में सुधार किए बिना ही घरेलू क्रिकेट में लगातार संघर्ष करने से बाबर का मनोबल और कम हो जाएगा। इससे उनकी बल्लेबाजी और खराब ही होगी। यूसुफ ने कहा कि हाल में हुई श्रीलंका त्रिकोणीय सीरीज में भी बाबर एक भी मैच में सहज नहीं दिखे। लक्ष्य का पीछा करते हुए बाबर कोई बड़ी पारी नहीं खेल सके। इस प्रदर्शन ने एक बार फिर उनकी फार्म और टीम में भूमिका पर सवाल खड़े कर दिए।

पूर्व कप्तान ने सुझाव दिया कि बाबर अपना पूरा समय बल्लेबाजी सुधारने में लगाएं और दक्षिण अफ्रीका या आस्ट्रेलिया की किसी अच्छी क्रिकेट अकादमी में विशेषज्ञ कोचों के साथ काम करें। यूसुफ ने कहा कि उन्होंने करीब चार साल पहले भी यही सलाह बाबर को दी थी, लेकिन तब किसी ने उनकी बात पर ध्यान नहीं दिया। उनके मुताबिक, बाबर अभी पाकिस्तान के सबसे अहम खिलाड़ियों में से एक हैं और सही मार्गदर्शन तथा थोड़ी मेहनत से वह अपनी पुरानी लय हासिल कर सकते हैं। बाबर पिछले तीन साल में एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में केवल एक शतक लगा पाये है, जबकि उनके नाम कुल 20 शतक दर्ज हैं। उन्हें पहले ही पाकिस्तान की टी-20 अंतरराष्ट्रीय टीम से बाहर किया जा चुका है और 2027 के एकदिवसीय विश्व कप के लिए टीम में जगह बनाने हेतु उन्हें अपने प्रदर्शन में बड़ा सुधार करना होगा।हालांकि, पाकिस्तान के पूर्व खिलाड़ी बाबर की खराब फार्म को अलग-अलग नजरिए से देख रहे हैं।

हाल में पूर्व कप्तान वकार यूनुस ने कहा था कि बाबर के साथ यह दुर्भाग्य रहा कि उन्हें साथी खिलाड़ियों से जरूरी सहयोग नहीं मिला। वहीं, पूर्व आलराउंडर इमाद वसीम ने भी बाबर का बचाव करते हुए कहा कि उन्होंने पाकिस्तान के किसी खिलाड़ी को मीडिया, आलोचकों और सोशल मीडिया पर इतनी आलोचना और नफरत का सामना करते नहीं देखा।

सुरेश रैना ने CSK से मांगी कोचिंग की जिम्मेदारी:कहा- फ्रेंचाइजी से बात की



चेन्नई। पूर्व भारतीय बल्लेबाज सुरेश रैना ने चेन्नई सुपर किंग्स के कोचिंग स्टाफ से जुड़ने की इच्छा जताई है। उन्होंने फ्रेंचाइजी से कोचिंग में जगह देने की मांग भी की है। हालांकि, अब तक उन्हें इस बारे में कोई जवाब नहीं मिला है। रैना ने चेन्नई सुपर किंग्स में पूर्व साथी रहे रविचंद्रन अश्विन के यूट्यूब चैनल पर बातचीत के दौरान यह बात कही। उन्होंने कहा- 'मैंने अपनी इच्छा बता दी है और अब फैसला ष्टस्च को करना है। मेरे लिए सबसे अहम बात चेन्नई के साथ रहना और टीम को ट्रॉफी जिताने में मदद करना है। रैना ने ष्टस्च के लिए सबसे ज्यादा रन बनाए रैना को उनके चेन्नई सुपर किंग्स प्रदर्शन के कारण 'मिस्टर चेन्नई सुपर किंग्स के नाम से जाना जाता है। संन्यास के बाद वे क्रिकेट एक्सपर्ट और कमेंटेटर के तौर पर काम कर रहे हैं। रैना 2008 के 2021 तक ष्टस्च से जुड़े रहे। बीच में जब चेन्नई सुपर किंग्स 2 साल के लिए सस्पेंड थी, तब 2016 और 2017 के सीजन में उन्होंने नई टीम गुजरात लायंस की कप्तानी की थी। रैना चेन्नई सुपर किंग्स के साथ धोनी की कप्तानी में IPL में 4 खिताब और 2 चैंपियंस लीग खिताब जीते। वे चेन्नई सुपर किंग्स के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज भी हैं।

डब्ल्यूटीए 125 टेनिस टूर्नामेंट आयोजित करने की योजना बना रहा टीएनटीए

चेन्नई

तमिलनाडु टेनिस संघ (टीएनटीए) अगले साल से देश में तीन से चार डब्ल्यूटीए 125 टेनिस टूर्नामेंट आयोजित कर सकता है। दिग्गज टेनिस स्टार विजय अमृतराज भी टीएनटीए के इस कदम का समर्थन कर रहे है। उनका कहना है कि चेन्नई ओपन जैसे डब्लूटीए टूर्नामेंट की मेजबानी खोने के बाद किसी न किसी मुकाबले की सख्त जरुरत है। जिससे कि उभरती हुई प्रतिभाओं को कोई मंच मिल सके।

अमृतराज का कहना है कि चेन्नई ओपन को भारत में ही बनाये रखे जाने की जरुरत थी पर डब्ल्यूटीए इसके लिए तैयार नहीं था। इसके पीछे उसने खराब मौसम और फिलीपींस की एलेक्जेंड्रा इला के उभरने को बताया। एलेक्जेंड्रा के विजेता बनने के कारण नियमों के तहत टूर्नामेंट की मेजबानी फिलीपींस को दे दी गयी। अमृताराज ने ये भी माना है कि मौसम ठीक नहीं होने के कारण भारत में चेन्नई ओपन में बेहतर रैंकिंग वाले अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी भी नहीं आ रहे थे। इससे भी फिलीपींस का पलड़ा भारी पड़ गया।

इला, महिला रैंकिंग में शीर्ष 20 खिलाड़ियों में शामिल हैं और विंबलडन में अपने शानदार प्रदर्शन के बाद से ही एक स्टार के रुप में उभरी हैं। उनके कारण भी टूर्नामेंट फिलीपींच चला गया। अमृतराज ने कहा कि हम 2027 के लिए फिलहाल डब्ल्यूटीए 250 टूर्नामेंट आयोजित करने के बारे में नहीं सोच रहे हैं पर डब्ल्यूटीए 125 और 125 प्लस एच श्रेणी के कुछ और टूर्नामेंट आयोजित कराने की दिशा में हमारी तैयारी अच्छी चल रही है। हम जनवरी-फरवरी 2028 में तीन या चार टूर्नामेंट कराने की उम्मीद कर रहे हैं।

इसका मुख्य लक्ष्य भारतीय खिलाड़ियों, खासकर महिला खिलाड़ियों को



अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में खेलने का अवसर दिलाना है। अभी महिला खिलाड़ियों के पास केवल एक ही अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट है जो पर्याप्त नहीं है। अमृतराज ने कहा, इससे वैष्णवी, सहजा और अन्य भारतीय लड़कियों को लगातार कई टूर्नामेंट खेलने का मौका मिलेगा। उन्हें सिर्फ एक डब्ल्यूटीए 250 टूर्नामेंट पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा।।

अमृतराज का मानना है कि डब्ल्यूटीए 125 टूर्नामेंटों की यह श्रृंखला भारतीय खिलाड़ियों को रैंकिंग अंक जुटाने और पेशेवर टेनिस में आगे बढ़ने का बेहतर अवसर दे सकती है। साथ ही कहा कि अगर आप अच्छा खेलने में सक्षम हैं तो डब्ल्यूटीए 250 टूर्नामेंट में दो मैच जीतने पर निश्चित रूप से ज्यादा अंक मिलते हैं। लेकिन सबसे पहले आपको मुख्य ड्रा में जगह बनानी होती है, जिसके लिए वाइल्ड कार्ड जैसी व्यवस्था पर निर्भर रहना पड़ता है। डब्ल्यूटीए 125 टूर्नामेंट में मुख्य ड्रा में जगह बनाना आम तौर पर अधिक आसान होता है।

इंदौर टेबल टेनिस लीग : पावर पैंथर ने 8-3 से दर्ज की जीत, तीन अन्य टीमें भी जीतीं

चैलेंज मैचों में थंडर स्ट्राइकर्स, स्मैश मास्टर्स, ओलिंपिया वारियर्स और विक्ट्री ईगल ने किया पलटवार

इंदौर

द्वितीय इंदौर टेबल टेनिस लीग के शुरुआती मुकाबलों में पावर पैंथर, टेबल टाइटन्स, रायल ब्लेजर और स्पिन एवेंजर्स ने जीत दर्ज की। पावर पैंथर ने थंडर स्ट्राइकर्स को 8-3 से हराया, जबकि अन्य तीन टीमों ने भी अपने मुकाबले जीते। चैलेंज मैचों में चारों मुकाबलों के परिणाम पलट गए। मुख्य मैचों में हारने वाली टीमों ने चैलेंज मैच जीतकर वापसी की। प्रतियोगिता इंदौर जिला टेबल टेनिस संगठन के तत्वावधान में अभय प्रशाल में खेली जा रही है।

पावर पैंथर ने थंडर स्ट्राइकर्स को 8-3 से पराजित किया। विजेता टीम की ओर से मृदुल पुरोहित ने लक्ष्या ओझा, आरवी जैन ने सिद्धिक्षा जैन, प्रशांत-प्रथम ने नीरज-रुद्र, आर्जव पाठक ने पुण्यांश जैन, भाव्यांशी सोनी ने ईवा खान, नक्षत्रराज सिंह ने आर्या गुप्ता, अबीर सोनगरा ने मृनाल ठाकुर, हिया पटेल ने पूजा भार्गव, प्रशांत महंत ने नीरज और प्रथम बाथम ने रुद्र को 2-0 से हराया। चैलेंज मैच में थंडर स्ट्राइकर्स ने पावर पैंथर को 6-5 से पराजित किया।

टेबल टाइटन्स ने स्मैश मास्टर्स को 6-5 से शिकस्त दी। अबु बकर ने मयंक सादेल, नेहल नाहर ने हनु धनोतिया और मनीष-अनुज ने राजेश-चैतन्य को 2-0 से हराया। अर्णव शेगांवकर ने द्युमनी दत्ता को 2-1 से पराजित किया। आर्या जोरे ने नेवेद्य भारतीय, कियान ने रुद्रांश झा और आर्ना उपाध्याय ने भूमिका साहुकार को 2-0 से हराया। मनीष ने चैतन्य करोडे को 2-0 से पराजित किया। चैलेंज मैच में स्मैश मास्टर्स ने टेबल टाइटन्स को 6-4 से हराया।

रायल ब्लेजर ने ओलिंपिया वारियर्स को 6-5 से हराया। वंश चौहान ने अभि जैन, सिद्धि



भदौरिया ने सावी गर्ग, तुषार-कार्तिकेय ने हेमंत-प्रमोद सोनी, सार्थक खरे ने लक्ष्य भदौरिया, दिशा रघुवंशी ने धृति मेहता और आरव कासट ने साकार भार्गव को पराजित किया। अयांश मालू ने शुभ अग्रवाल को 2-1 से तथा राधिका भार्गव ने सुरभि को 2-0 से हराया। प्रमोद सोनी ने तुषार शर्मा और कार्तिकेय कौशिक ने हेमंत रमन को 2-0 से पराजित किया। चैलेंज मैच में ओलिंपिया वारियर्स ने रायल ब्लेजर को 5-4 से हराया।

स्पिन एवेंजर्स ने विक्ट्री ईगल को 6-5 से शिकस्त दी। मृदुल जोशी ने रिदम गदिया को 2-0 से, आकांक्षा ठाकुर ने सानवी सिंघल को 2-1 से, विशाल-रोशन ने कपिल-आराध्या को 2-1 से, मीत मिमरोट ने लक्षित को 2-1 से, आध्या पाराशर ने आरोही मोदी को 2-0 से, आर्यान ठाकुर ने विराट वानखेड़े को 2-0 से, अयान डगरिया ने यदुवीर सिंह सोलंकी को 2-0 से और आराध्या राजपूत ने भाग्यश्री दवे को 2-1 से हराया। विशाल जोशी ने कपिल जैन को 2-0 से तथा रोशन जोशी ने साउद खान को 2-1 से पराजित किया। चैलेंज मैच में विक्ट्री ईगल ने स्पिन एवेंजर्स को 6-1 से हराया।

पहाड़िया के आतिथ्य में हुआ लीग का शुभारंभ - प्रतियोगिता का शुभारंभ इंदौर नगर निगम की महापौर परिषद के सदस्य नंदकिशोर पहाड़िया के मुख्य आतिथ्य तथा मध्यप्रदेश ओलिंपिक संघ के उपाध्यक्ष ओम सानी की अध्यक्षता में हुआ। इस अवसर पर मध्यप्रदेश टेबल टेनिस संगठन के जयेश आचार्य, प्रमोद सोनी, जिला सचिव नीलेश वेद और गौरव पटेल उपस्थित रहे।